तकनीक का जमाना : टेक दिग्गजों की बढ़ेगी मोनोपॉली, छोटे दुकानदारों की परेशानी

खरीदारी की आदतें बदलने के लिए तैयार हो रहे 'एआइ शॉपिंग एजेंट'

MONDAY मंडे न्यू ट्रेंड STORY

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) न केवल काम के तरीके बदल रहा है, बल्कि हमारी खरीदारी की आदतों को भी नया रूप देने के लिए तैयार हो रहा है। बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियां अब साधारण सर्च बार से आगे बढ़कर 'एआइ असिस्टेंट' विकसित कर रही हैं। कई एआइ स्टार्टअप भी 'शॉपिंग' में 'एआइ एजेंट' (असिस्टेंट) की भूमिका तलाश रहे हैं, जो खरीदार की आदतों को पहचान कर मूल्यों की तुलना करते हुए सामान का चयन करेंगे और ऑर्डर कर सकेंगे। यह सब समय बचाने के नाम पर किया जाएगा। हालांकि, इसके खतरे कम नहीं होंगे।

दुनियाभर की कंपनियां 'एआइ शॉपिंग एजेंट' पर बड़ा दांव लगा रही हैं। ओपनएआइ और गूगल जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने 'एजेंटिक कॉमर्स प्रोटोकॉल' (एसीपी) और 'यूनिवर्सल कॉमर्स प्रोटोकॉल' (यूसीपी) पेश किए हैं। इन्होंने वॉलमार्ट और स्ट्राइप जैसी दिग्गज कंपनियों के साथ साझेदारी भी की है।पढ़ें **खरीदारी** @ पेज 12

आंकड़ों के संकेत

एआइ ट्रैफिक: 2025 की छुट्टियों के दौरान अमरीकी रिटेल साइटों पर एआइ-संचालित ट्रैफिक में साल-दर-साल 693 फीसदी की भारी वृद्धि देखी गई।

चैटजीपीटी: इस पर प्रतिदिन दिए जाने वाले 2.5 अरब प्रॉम्प्ट्स में से लगभग दो फीसदी शॉपिंग से संबंधित होते हैं।

ये हैं प्रमुख एआइ शॉपिंग एजेंट

- **अमेजन** का मानना है कि उसका एआइ असिस्टेंट 'रूफस' वार्षिक बिक्री में 10 अरब डॉलर का इजाफा कर सकता है। कंपनी ने 'बॉय फॉर मी' फीचर भी लॉन्च किया है।
- **फ्लिपकार्ड** ने अपना एआइ असिस्टेंट 'स्लैप' लॉन्च किया है, जहां उपयोगकर्ता सीधे प्रॉम्प्ट (निर्देश) देकर खरीदारी कर सकते हैं।

नए स्टार्टअप्स भी पीछे नहीं

- **डे-ड्रीम:** इसे एआइ शॉपिंग असिस्टेंट के लिए 5 करोड़ डॉलर की फंडिंग मिली है।
- **फिया:** बिल गेट्स की बेटी फोबे गेट्स के इस स्टार्टअप ने 3.5 करोड़ डॉलर जुटाए हैं।

धोखा, फिजूलखर्ची और कर्ज का जाल

1 **निजता का जोखिम:** एआइ केवल सर्च हिस्ट्री नहीं, बल्कि चलने के तरीके, आवाज के उतार-चढ़ाव और स्क्रीन पर रुकने के समय को भी ट्रैक करता है। डेटा ब्रीच होने पर आपकी पूरी प्रोफाइल दांव पर लग सकती है।

2 **डायनेमिक प्राइसिंग में भेदभाव:** एआइ यह जान सकता है कि आपको किसी वस्तु की कितनी सख्त जरूरत है। आप जल्दी में हैं तो एआइ आपके लिए कीमत बढ़ा सकता है। यानी, एक ही उत्पाद के लिए अलग-अलग कीमतें वसूलना। पढ़ें **धोखा** @ पेज 12

एआइ को किराए पर चाहिए इंसानी शरीर **@इंडिया&वर्ल्ड**